प्रेस विज्ञप्ति

एमएसएमई अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण: 22वीं स्टेकहोल्डर्स मीट में इरेडा के सीएमडी



नई दिल्ली, 23 फरवरी 2026

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने आज इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में अपनी 22वीं स्टेकहोल्डर्स इंटरेक्शन मीट आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता श्री प्रदीप कुमार दास, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने की। इस बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा वैल्यू चेन में लगभग 100 उधारकर्ताओं और व्यापार भागीदारों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

कार्यक्रम की शुरुआत इरेडा की हाल की उपलब्धियों, वित्तीय प्रदर्शन, प्रमुख पहलों और पिछली बातचीत के दौरान उठाए गए मुद्दों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट पर एक प्रस्तुति के साथ हुई। प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय मुद्दों, पॉलिसी अपडेट्स और वित्तपोषण मानदंडों पर प्रबंधन के साथ बातचीत की।



सभा को संबोधित करते हुए, श्री दास ने इरेडा की दीर्घकालिक स्थिरता की कुंजी के रूप में परिसंपत्ति गुणवत्ता और निगमित अभिशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। ब्याज दरों से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि संगठन का दृष्टिकोण सबसे कम लागत वाले स्रोतों से धन जुटाना और उसका फायदा डेवलपर्स को देना है। यह दृष्टिकोण आरबीआई और अन्य नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के तेजी से विकास का समर्थन करना है।

एमएसएमई डेवलपर्स के लिए सहायता पर जोर देते हुए, सीएमडी ने कहा कि एमएसएमई अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उनकी भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि एमएसएमई को अच्छे और गुणात्मक निगमित अभिशासन का प्रदर्शन करना चाहिए ताकि ऋणदाताओं को कम लागत पर वित्तपोषण में सहायता कर सकें।



उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इरेडा ने नेतृत्व क्षमता और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए प्रमुख कैंपसो से कार्यकारी प्रशिक्षुओं सहित कई सीपीएसई, बैंकों और निजी कंपनियों से सभी स्तरों के लिए- एंट्री, मिडिल और सीनियर मैनेजमेंट में अपने मैनपावर को मजबूत किया है। सीएमडी और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टेकहोल्डर्स के सवालों के जवाब दिए।

बैठक का समापन निदेशक (वित्त) डॉ. बिजय कुमार मोहंती के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।